DUBLIN
Front Line Defenders – Head Office
Second Floor, Grattan House
Temple Road, Blackrock
Co. Dublin, A94 FA39, Ireland

info@frontlinedefenders.org
www.frontlinedefenders.org

phone +353 1 212 3750
fax +353 1 212 1001

BRUSSELS
Front Line Defenders – EU Office
Square Marie-Louise 72
1000 Brussels
Belgium

euoffice@frontlinedefenders.org
www.frontlinedefenders.org

phone +32 2 230 9383
fax +32 2 230 0028

आदिवासी कार्यकर्ता सोनी सोरी ने जीता अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार पुरस्कार
१८ मई २०१८

१३ साल के इतिहास में 'फ्रंट लाइन डिफेंडर्स अवार्ड फॉर ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स ऐट रिस्क' पहली बार पाँच देशो के कार्यकर्ताओ को दिया जा रहा है. यह पुरूस्कार खतरे में काम करने वाले मानवाधिकार रक्षकों को दिया जाता है

वर्ष २०१८ का 'फ्रंट लाइन डिफेंडर्स अवार्ड फॉर ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स ऐट रिस्क' (Front Line Defenders Award for Human Rights Defenders at Risk) का पुरस्कार प्राप्त करने वाले पाँच अंतर्राष्ट्रीय प्राप्तकर्ताओ के नामों की सूचि में भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोरी का नाम शामिल किया गया है. छत्तसीगढ़ राज्य के आदिवासी समुदाय को न्याय दिलाने के लिए जोखिम भरे संघर्ष के लिए उन्हें यह सम्मान दिया जा रहा है. इसी शृंखला में २०१८ के अन्य विजेता है: नुर्कन बेसल (टर्की), लूचा (LUCHA) आन्दोलन (कोंगो का लोकतंत्रात्मक गणराज्य), *ला रेसिस्तेंचिया पसिफिचा दे ला मिक्रोरेगिओं दे इक्स्कुइसिस (La Resistencia Pacífica de la Microregión de Ixquisis) (ग्वाटेमाला), और हस्सन बौरास (अल्जीरिया).*

विजेताओं के नामों की घोषणा करते हुए, फ्रंट लाइन डिफेंडर्स के कार्यकारी निर्देशक एंड्रू एंडरसन ने कहा, "आज जिन मानवाधिकार रक्षकों का सम्मान हम कर रहे है, ये वो लोग है जो विश्व के सबसे खतरनाक जगहों पर कार्य करते है. अपने-अपने समुदायों के लिए शांतिपूर्ण ढंग से न्याय और मानवाधिकार की मांग करने हेतु स्वयं की परवाह किये बिना इन्होंने कई बलिदान किये है."

सन २००५ से 'फ्रंट लाइन डिफेंडर्स अवार्ड फॉर ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स ऐट रिस्क' पुरस्कार हर साल उन मानवाधिकार रक्षकों को दिया जाता रहा है, जिन्होंने खुद को जोखिम में डाल कर भी अपने समुदाय के व्यक्तिओं के अधिकारों की सुरक्षा और बढ़ावे के लिए अदम्य योगदान दिया है. ऐतिहासिक तौर पर यह सिर्फ एक रक्षक या किसी एक आन्दोलन को दिया जाता था. २०१८ के 'फ्रंट लाइन डिफेंडर्स अवार्ड फॉर ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स ऐट रिस्क' पुरूस्कार की ख़ास बात यह है कि पहली बार पांच अलग-अलग देशो के पांच मानवाधिकार रक्षकों को क्षेत्रीय विजेताओ के रूप में मान्यता दी गई है. २०१८ के इन पांच पुरस्कार विजेताओं व उनके परिवारों को विभिन्न तरीके के हमलों का, मानहानि, कानूनन उत्पीड़न, मृत्यु की धमकी, कारावास और अभित्रास आदि का सामना करना पड़ा है.

सोनी सोरी एक आदिवासी कार्यकर्ता है साथ ही वह नारी अधिकारों की रक्षक है, जो छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर इलाके में काम करती है. यहाँ वह और उनके सहकर्मी, अर्धसैनिक दल और पुलिस द्वारा हिंसा को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों के खिलाफ वकालत करते है. उन्होंने भारत के सुदूर और दुर्गम क्षेत्रो में राज्य-प्रायोजित दुर्व्यवहार जैसे- घर जलाना, बलात्कार और बिना वजह आदिवासिओ को यातना देना और उनका यौन-शोषण करना आदि के विरोध में संलेख पत्र तैयार किये और इन गतिविधियों के खिलाफ संघर्ष किया है. उन्होंने कई शैक्षणिक संस्थाओ को माओवादी संगठनो से होने वाली हानि से भी बचाया है. सुरक्षा दलों ने उनके इन कार्यों के प्रतिशोध में, सोनी को हिरासत में बंद कर कई तरह की अमानवीय यातनायें दी और उनके शरीर में पत्थर डाल कर घंटो तक यंत्रणा दी. उसने दो सालो से ज्यादा कारावास में बिताये है. कुछ सालों बाद कुछ लोगो ने उनके चेहरे पर रसायन डाला जिससे उसकी चहरे की चमड़ी जल गई. इतना ही नहीं, उन्हें धमकी दी गई कि अगर उन्होंने सुरक्षा बलो द्वारा किये गए बलात्कारों के खिलाफ वकालत करनी नहीं छोडी, तो उनकी बेटियों का भी ऐसा ही हश्र होगा. किन्तु उन्होंने अपने कार्य के प्रति अडिगता दिखाते हुए काम बंद करने से इंकार किया है और आज भी वह धमकी, अभित्रास और बदनामी के बावजूद उन खतरनाक संघर्ष क्षेत्रो में जाकर उत्तरजीवीओ (संघर्षो में जीवन यापन करने वालों) से बातचित करती है.

एंड्रू एंडरसन कहते है, "जैसे ही सरकार और व्यपारसंधी मानवाधिकार रक्षकों को बदनाम कर उनका विरोध जताना शुरू करते है और उनके शांतिमय काम को गैरकानूनी घोषित करते है, वैसे ही विश्व भर से सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा एकमतता

Front Line Defenders Board of Trustees
Denis O'Brien, Noeline Blackwell, Jim Conway, Mary Lawlor, Maria Mulcahy, Kieran Mulvey, Mary Jane Real (Philippines), David Sykes, Arnold Tsunga (Zimbabwe)

Front Line Defenders International Advisory Council
James L. Cavallaro, Maryam Elahi, Michel Forst, Hina Jilani, Maina Kiai

Front Line, The International Foundation for the Protection of Human Rights Defenders trading as Front Line Defenders, is registered in Ireland as a company limited by guarantee and not having a share capital. Registered Office: Second Floor, Grattan House, Temple Road, Blackrock, Co Dublin, A94 FA39, Ireland.

Company No. 593190; Registered Charity No. 20045241; CHY 14029

से स्वीकार किया गया कि अंतर्राष्ट्रीय पहचान और सम्मान इस तरह के कार्य के लिए एक महत्वपूर्ण संरक्षण के तौर पे ज़रूरी कदम है." वे आगे कहते है, "यह पुरूस्कार इस बात का साक्षी है कि इन रक्षकों को अन्तराष्ट्रीय समुदायों का पूर्ण समर्थन है और उनका बलिदान नज़रंदाज़ नहीं हुआ है. हम उनके अदम्य साहस की सराहना करते हुए उनके साथ अटल विश्वास के साथ खड़े है."

अन्य पुरुस्कार प्राप्तकर्ता:

नुर्कन बेसल, टर्की
क्षेत्रीय विजेता, यूरोप और मध्य एशिया
नुर्कन एक दियारबकिर में रहने वाली कुरदीश पत्रकार और मानवाधिकार रक्षक है. जब सरकार ने २०१६ में दक्षिण-पूर्व फौजी आक्रमण शुरू किया, नुर्कन कुरदीश गांवों में घुमी और कई महीने बमबारी के घेरे में बितायें. उसने वहाँ क्षेत्रीय लोगो के मानवाधिकारों के हनन के विरोध में संलेख पत्र तैयार किये और ऐसे परिवारों की मदद की जो इस संघर्ष में अपना सब कुछ खो चुके थे. उनकी लेखनी का मुख्य केंद्र-बिंदु है बमबारी से पीड़ित महिलाओं की दर्द भरी आवाज़. जब प्राधिकारियों ने अफरीन पर सैनिक कार्यवाही शुरू की, नुर्कन ने सोशाल मीडिया के ज़रिये हिंसक हमले की निंदा करते हुए शांति की मांग की. हिंसा के खिलाफ आवाज़ उठाने के कारण, उसे नज़रबंद किया गया, हालांकि भले ही बाद में छोड़ दिया गया. फिलहाल उसकी लेखनी से संबंधित एक अलग केस में उसे ३ साल का कारावास दिया जा सकता है. अधिकारियो ने बेबुनियाद दावा किया है की नुर्कन "हथियारबंद आतंकवादियो के संगठनो की और से, झूठा प्रचार फैला रही थी... और सक्रिय कार्यवाही की मांग कर रही थी." पत्रकारिता के इलावा, नुर्कन कई गैर सरकारी संगठनों (NGO) की स्थापना में सहायक रही है तथा इस्लामिक स्टेट से भागी हुई यज़ीदी औरतों की मदद के लिए एक कैंप खोला है. वे अपने क्षेत्र में अनगिनत संधि कार्यक्रमों के पक्ष में अहम् आवाज़ बन के उभरी है.

इक्स्कुइसिस के सूक्ष्म क्षेत्र का शांतिमय प्रतिरोध, ग्वाटेमाला
अमेरिका के क्षेत्रीय विजेता

ग्वाटेमाला में जब आर्थिक प्रगति के नाम पर गंभीर मानवाधिकार हनन शुरू किये गए तब *ला रेसिस्तेंचिया पसिफिचा दे ला मिक्रोरेगिओं दे इक्स्कुइसिस* (*La Resistencia Pacífica de la Microregión de Ixquisis*) की स्थापना की गई. क्षेत्रीय नगरपालिका के ५९ गाँवों और ७ समुदायों द्वारा किये गए कड़े प्रतिरोध के बावजूद सरकार ने हानिकारक खानों और पनबिजली जैसी परियोजनाओं को चलाने की स्वीकृति दी. *ला रेसिस्तेंचिया पसिफिचा दे ला मिक्रोरेगिओं दे इक्स्कुइसिस* के मानवाधिकार रक्षक, क्षेत्र की रक्षा के लिए हिंसा के विरोध में अपनी जान जोखिम में डालते है. इसी वजह से वर्ष २०१६ में केवल एक वर्ष में मानवाधिकार रक्षकों पर ७५ हमले हुए जिनमें हत्या, गोलीबारी, उत्पीडन और मानहानि के अभियान शामिल है.

लूचा (LUCHA), कोंगो का लोकतंत्रात्मक गणराज्य
क्षेत्रीय विजेता, अफ्रीका
लूचा एक अपक्षधर युवा आन्दोलन है जिसकी स्थापना कोंगो के लोकतंत्रात्मक गणराज्य के पूर्व भाग में हुई थी, जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार और दंड-मुक्ति के खिलाफ संघर्ष करना है. शुरू में उन का ध्यान स्थायी विषयो पर ही था, जैसे की पीने का पानी, बिजली और युवा बेरोज़गारी. मगर ६ सालों के लगातार संघर्ष में ये आन्दोलन, एक शक्तिशाली सामाजिक कार्यकर्ताओं के व्यापक राष्ट्रीय संघ के रूप में उभर के सामने आया है. लूचा द्वारा आयोजित अहिंसक विरोधो और प्रदर्शनों पर अधिकारियों के लगातार हमले होते रहे. अक्टूबर २०१७ में लूचा द्वारा आयोजित प्रदर्शन में ५ युवा प्रदर्शनकारी मारे गए और अनेक शान्तिपूर्ण सभाओं में उनके कई सदस्यों और नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया. कांगो के राष्ट्रीय खुफ़िया विभाग द्वारा इस समूह के कई सदस्यों को गिरफ्तार कर, शारीरिक और मानसिक यातनाये दी गई.

हस्सन बौरास,
क्षेत्रीय विजेता, मध्य-पूर्व और उत्तर अफ्रीका
हस्सन बौरास एक पत्रकार, ब्लॉगर और एलजीरियन लीग ऑफ़ ह्यूमन राइट्स के अग्रणी सदस्य है और रिजेक्शन फ्रंट, जो अल्जीरिया में शेल (shale) गैस निकालने के खिलाफ एक गठबंधन है, के संस्थापक सदस्य है. वो दो दशको से

भ्रष्टाचार और अत्याचार के खिलाफ लिख रहे है जिसकी वजह से वो एलजीरियन प्राधिकारियों का निरंतर निशाना बने हुए है. सालों से विभिन्न विरोधो जैसे- न्यायिक उत्पीड़ना, अतरंगी गिरफ्तारियों, घर और दफ्तर पर हिंसक छापे और कारावासो आदि से जूझने के बावजूद उन्हों ने अपनी लेखनी और वकालत नहीं छोड़ी है.

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे:

For more information, please contact:

Erin Kilbride
erin@frontlinedefenders.org
+353857423767